मध्यप्रदेश सरकार विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए संकल्पित

शासकीय स्कूलों के प्रति अभिभावकों और बच्चों का बढ़ा आकर्षण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के विकास के लिए राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कदम से कदम मिलाकर चल रही है। बच्चों को स्कूल में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने अप्रैल में 'स्कूल चले हम' अभियान चलाया और बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिलाया जाएगा। उन्होंने शासकीय स्कूलों में ड्रॉप आउट की संख्या शून्य करने पर स्कूल शिक्षा विभाग को बधाई दी। शासकीय स्कूलों में कक्षा 1, 6 और 9 में प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाया गया है, जिससे वर्ष 2025-26 में कुल नामांकन में 19.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में भी 32.4 प्रतिशत की प्रगति दर्ज की गई है। यह शासकीय स्कूलों पर बढ़ते विश्वास का परिचायक है। राज्य सरकार ने मौजूदा सत्र में स्कूलों में 1 करोड़ 45 लाख नामांकन करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 369 भव्य सांदीपनि विद्यालयों की शुरुआत की गई है, जो देश में सबसे अच्छे स्कूल हैं। मध्यप्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। पीएमश्री स्कूल भी आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में महती भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक कार्यक्रम में बच्चों को नि:शुल्क साइकिलें और पाठ्य पुस्तकें वितरित करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रदेश के स्कूलों में बच्चों की प्रवेश दर में हुई बढ़ोतरी

प्रदेश के स्कूलों में बच्चों की प्रवेश दर में वृद्धि हुई है। अब तक 1 करोड़ बच्चों का नामांकन किया जा चुका है। पहली कक्षा से लेकर हाईस्कूल और हायर सेकेंड्री क्लास तक बच्चों का नामांकन किया जा रहा है। स्कूली विद्यार्थियों को नि :शुल्क साइकिलें और पुस्तकें वितरित की जा रही हैं। सरकार का प्रयास है कि विकासखंड स्तर पर बुक फेयर लगाए जाएं, जहां शासकीय के साथ निजी स्कूलों के बच्चों को भी पाठ्यपुस्तक निगम की सस्ती पुस्तकों का लाभ मिल सके। राज्य सरकार सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विद्यार्थियों ने साईकिलों की घंटियां बजाकर किया अभिवादन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के स्कूल प्रवेश उत्सव के एक कार्यक्रम में आगमन पर विद्यार्थियों ने साइकिल की घंटियां बजाकर और स्काउट गाइड दल ने वाद्य यंत्रों पर सुमधुर धुनों के साथ उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में शामिल विद्यार्थियों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अटल टिंकरिंग लैब, रोबोटिक लैब, व्यावसायिक शिक्षा और आईसीटी लैब के स्टॉल का अवलोकन किया। इस अवसर पर 'स्कूल चले हम' अभियान पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी हुआ।

मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और स्कूल टॉपर को मिल रही है स्कूटी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2025-26 की बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत या अधिक अंक अर्जित करने वाले 94 हजार 306 मेधावी विद्यार्थियों को नि :शुल्क लैपटॉप वितरित किये गए। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट में लैपटॉप के लिए 250 करोड़ रुपए, स्कूटी के लिए 100 करोड़ रुपए और साइकिल वितरण के लिए 210 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। बोर्ड परीक्षा के स्कूल टॉपर विद्यार्थियों को स्कूटी की सौगात दी जा रही है।

शिक्षा का मंदिर है सांदीपनि विद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर जिले के नरयावली विधानसभा क्षेत्र स्थित सांदीपनि विद्यालय में विद्यार्थियों के साथ बेवाक संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि केवल किताबी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सांदीपनि आश्रम की परंपरा के अनुसार संस्कारों को जीवन में उतारना भी आवश्यक है। संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री से उनके व्यक्तिगत और प्रशासनिक जीवन से जुड़े रोचक प्रश्न पूछे। कक्षा 11वीं के छात्र चैतन्य कुर्मी ने जब मुख्यमंत्री से उनके व्यस्त शेड्यूल के प्रबंधन के बारे में पूछा, तो डॉ. यादव ने सहजता से जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'जैसे आप स्कूल, पढ़ाई और घर के कार्यों के लिए समय निश्चित करते हैं, वैसे ही हम भी सुबह से अपनी पूरी समय सारणी तैयार करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बन रहे आधुनिक सांदीपनि विद्यालय प्राइवेट स्कूलों को पीछे छोड़ रहे हैं। वर्ष 2025-26 में बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम आया तो सरकारी स्कूलों के बच्चों ने सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। बेटियों ने परीक्षाओं में बाजी मारी है। राज्य सरकार स्कूल टॉपर विद्यार्थियों को स्कूटी और मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप दे रही है। नरयावली क्षेत्र डॉ. हरिसिंह गौर के समय से शिक्षा का पावन मंदिर रहा है। यहां कोई शासकीय विश्वविद्यालय नहीं था, इसीलिए नरयावली में रानी अवंतीबाई के नाम पर राजकीय विश्वविद्यालय शुरू करने की पहल की गई। नरयावली को आज 27 करोड़ रुपए लागत के सांदीपनि विद्यालय की सौगात मिली है, जो भविष्य निर्माण का प्रमुख केंद्र बनेगा। जरुआखेड़ी में 10 करोड़ की लागत से नवीन आईटीआई भवन, 60 सीटर छात्रावास और आवासीय भवनों का लोकार्पण भी हुआ है।

पिछले वर्ष की तुलना में 3000 करोड़ अधिक का बजट

प्रदेश के सभी शासकीय स्कूलों में आधारभूत संरचनाओं की उपलब्धता करें सुनिश्चित : सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हर बच्चे की शिक्षा, चिकित्सा और पोषण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश के हर विद्यालय में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहें, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्कूली शिक्षा की बेहतरी के लिए हमने विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 3000 करोड़ रुपए अधिक बजट का प्रावधान किया। हम अपनी शिक्षा व्यवस्था में सभी जरूरी सुधार लाने की दिशा में और अधिक मजबूती से आगे बढ़ेंगे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रीष्मकाल में प्रत्येक शासकीय विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए बिजली, पंखा, स्वच्छ व शीतल पेयजल और छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्थाएं की जाएं। कोई भी शाला जर्जर हालत में न रहे। सभी विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए एक अच्छा माहौल और प्रोत्साहन देने वाला परिवेश उपलब्ध करायें, ताकि बच्चे खुशी-खुशी विद्यालय पहुंचे। विभागीय अधिकारी कन्या छात्रावास में महिला अधिकारी की नियुक्ति, स्कूलों में मध्यान्ह भोजन के प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था नई जरूरतों के मुताबिक सुधार लाने के लिए सांदीपनी विद्यालय (सीएम राइज स्कूल) जैसे क्रांतिकारी नवाचार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालय देश में एक आदर्श विद्यालय (मॉडल स्कूल) बनकर उभरें, इसके लिए सभी जरूरी तैयारियां और प्रयास किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को शिक्षा नीति-2020 के अक्षरश: पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में लागू नई शिक्षा नीति के मॉडल का अध्ययन कर कार्य योजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए हमारी सरकार स्कूलों में आधारभूत संरचनाओं व सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध होकर प्रयासरत है। उन्होंने जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत कार्य में स्थानीय पूर्व सांसद और पूर्व विधायक, समाजसेवी संस्थाओं, पूर्व छात्रों एवं सीएसआर फंड से भी सहयोग लेने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि स्कूलों में आर्थिक या व्यवस्थागत सुधार में मदद करने वालों का सरकार सम्मान करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को विधानसभा वार जर्जर स्कूल भवनों की जानकारी एकत्रित करने का निर्देश दिया, ताकि विद्यालयों के अधोसंरचना विकास कार्यों में विधायक निधि से भी सहयोग लिया जा सके। उन्होंने कहा कि शासकीय विद्यालयों में भोजन की उपलब्धता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत रिजल्ट देने वाली स्कूलों को अपग्रेड किया जाए।

समिति बनाने के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा में सुधार के लिए सुझावों का सरकार स्वागत करेगी। मिले सुझावों पर विचार-विमर्श के लिए विशेषज्ञों के साथ शीघ्र ही एक बैठक आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वित्त विभाग, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, रोजगारपरक व्यावसायिक शिक्षा (कौशल विकास), जनजातीय कार्य, महिला एवं बाल विकास विभाग के मंत्रीगण की एक समिति बनाकर संयुक्त बैठक आयोजित करने और शैक्षिक सुधार की कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

नैतिक शिक्षा देने पर जोर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राथमिक स्कूल स्तर से ही बच्चों को आदर्श पारिवारिक मूल्यों की नैतिक शिक्षा देने के लिए उचित प्रबंध करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विद्या भारती, गायत्री परिवार और आर्ट ऑफ लिविंग जैसी संस्थाओं को प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों से जोड़ा जाए। बाल्यकाल में प्राथमिक कक्षा से ही विद्यार्थियों में संस्कारों के विकास का क्रम जारी रहना चाहिए।

आष्टा और जावर में नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालयों का सीएम ने किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आष्टा एवं जावर में नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय भवनों का लोकार्पण किया। आष्टा का विद्यालय भवन लगभग 61 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। प्रथम चरण में यह भवन 15 एकड़ में बनाया गया है। इसी तरह जावर के सांदीपनि विद्यालय की लागत 39.45 करोड़ रुपये है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को नए भवनों की सौगात मिलने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त ऐसे विद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय में सर्व सुविधा युक्त लाइब्रेरी व कम्प्यूटर लैब भी बनाई गई है। विद्यालय में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग भी सुनिश्चित की गई। साथ ही सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी बनाया गया है। विद्यालय में वर्तमान में करीब 3800 छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत हैं। यहाँ केजी-1 से लेकर कक्षा 12वीं तक शिक्षण व्यवस्था उपलब्ध है। विद्यालय में आर्ट्स, साइंस, कॉमर्स और कृषि संकाय संचालित किए जा रहे हैं। विद्यालय में 160 शिक्षकों की नियुक्ति की गई है और 90 कक्ष बनाए गए हैं। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए परिसर में खेल मैदान और बॉटनिकल गार्डन भी है। परिवहन सुविधा के तहत 16 बसें संचालित की जा रही हैं, जो आसपास के लगभग 100 गाँवों से विद्यार्थियों को नि:शुल्क विद्यालय तक लाती हैं।

छात्रों से संवाद कर कॅरियर और नेतृत्व पर दिया मार्गदर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आष्टा स्थित सांदीपनि स्कूल का लोकार्पण करने कक्षा 11वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों से उनके भविष्य के लक्ष्य और करियर को लेकर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने छात्रों से पूछा कि कौन डॉक्टर, शिक्षक, इंजीनियर बनेगा, कौन अपना उद्योग स्थापित करेगा और कौन राजनीति में आएगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अलग-अलग क्षेत्रों में करियर बनाने के साथ राजनीति में भी सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए, क्योंकि भविष्य में देश का नेतृत्व उन्हें ही करना है। संवाद के दौरान उस समय कक्षा में विशेष उत्साह का माहौल बन गया, जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूछा कि कितने विद्यार्थियों ने निजी स्कूलों से सांदीपनि स्कूल में प्रवेश लिया है। इस पर सभी 32 विद्यार्थियों ने हाथ उठाकर बताया कि वे प्राइवेट स्कूल से यहां आए हैं। मुख्यमंत्री ने इसे सकारात्मक संकेत बताते हुए कहा कि सांदीपनि स्कूल की बेहतर शिक्षा और

व्यवस्थाओं की जानकारी विद्यार्थी अपने माता-पिता और मित्रों को भी दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार सांदीपनि स्कूलों में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, जो किसी भी निजी स्कूल से कम नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कक्षा 11वीं और 12वीं की छात्राओं– महक, मुस्कान, सपना, आराधना और माही सहित अन्य विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।

भगवान श्रीकृष्ण सांदीपनि आश्रम में विद्या अध्ययन के लिए आए और यहां से योगेश्वर जगतगुरु श्रीकृष्ण बने : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महर्षि सांदीपनि आश्रम वह पवित्र स्थल है जहां मनुष्य रूपी श्रीकृष्ण की भगवान श्रीकृष्ण बनने की यात्रा प्रारंभ होती है। भगवान श्रीकृष्ण यहां विद्या अध्ययन के लिए आए और यहां से योगेश्वर श्रीकृष्ण बनकर निकले। श्रीकृष्ण के जगतगुरु बनने का स्थान यही है। द्वारका,वृंदावन और गोकुल का जो महत्व है वही महत्व उज्जैन का है। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में बहुत सारे संदेश दिए जिसमें सबसे महत्वपूर्ण गौमाता की पूजा की और प्रकृति का संरक्षण है . मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षास्थली श्री सांदीपनि आश्रम पहुंचकर सपत्नीक भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना और अभिषेक किया और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर आयोजित आरती में भी शामिल हुए। विधिवत पूजा अर्चना आश्रम के पुजारी द्वारा कराया गया। आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ऐसे डूबे कि 'श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी' भजन गाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सांदीपनि आश्रम में स्थित भगवान शिव और बैकुंठ धाम मंदिर में भी दर्शन पूजन कर आशीर्वाद लिया। प्रमुख मंदिरों में मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा श्रीकृष्णा पर्व के तहत श्रीकृष्ण कला की अभिव्यक्तियां थीम पर लोकप्रिय कलाकरों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। उज्जैन के सभी शासकीय, अशासकीय विद्यालयों और महाविद्यालयों में भी भगवान श्रीकृष्ण की जीवन से जुड़े प्रसंग और दर्शन पर परिसंवाद के कार्यक्रम आयोजित हुए. सान्दीपनि आश्रम में संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का नाट्य मंचन किया गय। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलाकारों का माला पहनाकर सम्मान किया.

भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में डूबे मुख्यमंत्री डॉ. यादव

D-19022/26

सीएम राइज स्कूल अब सांदीपनि विद्यालय के नाम से जाने जाएंगे

मध्य प्रदेश में 'सीएम राइज स्कूलों' का नाम बदलकर अब सांदीपनि विद्यालय कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अनुसार, ये स्कूल महर्षि सांदीपनि के नाम पर हैं, जो ज्ञान, कला और वेदों के प्रतीक हैं, और इनका उद्देश्य आधुनिक सुविधाओं (लैब, स्मार्ट क्लासरूम) के साथ बच्चों को संस्कारित शिक्षा देना है। पीपुल इंडिया की सांदीपनि विद्यालय पहल के तहत इन्हें मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रदेश के 97 नवनिर्मित भवनों में सांदीपनि विद्यालयों को शिफ्ट कर दिया गया है। इनमें एक से तीन किमी के दायरे में स्थित कम छात्र संख्या वाले करीब 300 स्कूलों को मर्ज करने की तैयारी है। भोपाल के दो सांदीपनि विद्यालयों में आसपास की 11 स्कूलों के करीब 160 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। आवेदन अधिक होने पर प्रवेश लॉटरी के माध्यम से दिए गए. इसके बाद खाली सीटों पर भर्ती की गई। विभाग द्वारा मार्च में प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर एक अप्रैल से कक्षाएं संचालित कर दी गईं।

विद्यालय की प्रमुख विशेषताएँ

आधुनिक शिक्षा और संस्कार : यहाँ शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, संस्कार और आधुनिक तकनीक का संगम है।

सुविधाएँ : सांदीपनि स्कूलों में प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, खेलकूद के साधन और डिजिटल क्लासरूम की व्यवस्था की जा रही है।

पाठ्यक्रम : यहाँ शिक्षा-दीक्षा को वेद-पुराणों और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ा जा रहा है।

लक्ष्य : इन स्कूलों को एक आदर्श शैक्षणिक संस्थान के रूप में विकसित करना है।